

us to save crops. We are having at the moment negotiations with the United States scientists as I mentioned earlier.

**Shri Hem Barua:** What about Australia?

**Shri Annasahib Shinde:** We shall take advantage of all the scientists coming from any part of the world.

**Shrimati Lakshmi Kantamma:** We look to other countries but we neglect the fund of science that we have in our own country in the form of Vedas. Shri Rajagopalachari himself said once that through yagnas you can invoke gods and get rains. Even in Bhagvad Gita, it is said like that.

**Mr. Speaker:** We are not discussing Bhagvad Gita now.

**Shrimati Lakshmi Kantamma:** I just wanted to know from the Minister whether there is any encouragement to that aspect of science also.

**Shri Annasahib Shinde:** We are relying on our scientists also.

**Mr. Speaker:** The Minister cannot answer questions on Bhagvad Gita.

**Shri Tenneti Viswanatham:** Before spending money on these fancies are Government satisfied that full utilisation of the waters available in the rivers is being made and if so will they direct their attention towards that objective rather than these fancies?

**Shri Annasahib Shinde:** I do not think this comes in the way of undertaking minor or major irrigation schemes.

**Shri Brahmakar Supakar:** May I know whether there is any research project whereby all the rains would be kept in an atmospheric reservoir and drawn upon as and when necessary?

**Mr. Speaker:** I think we better go to the next question; the seriousness is gone.

सूखा-मत्त क्षेत्रों में सिंचाई

+

\* 752. श्री क० ना० तिबारी :

श्री दिवांसि जिब :

श्री क० जि० मधुकर :

श्री कामेश्वर सिंह :

श्री भीबरन :

श्री निहाल सिंह :

श्री शिवपूजन शास्त्री :

श्री जि० ब० सिंह :

श्री बेनी शंकर शर्मा :

श्री प्रोफ़ेसर लाल बेरवा :

क्या खाद्य तथा वृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार के सूखा-मत्त क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधायें देने के लिये क्या-क्या तात्कालिक प्रवन्ध किये गये हैं तथा इस कार्य के लिये बिहार सरकार को कितनी वित्तीय सहायता दी गई है; और

(ख) उनके परिणामस्वरूप कितने एकड़ भूमि में सिंचाई होने की सम्भावना है ?

*The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasahib Shinde):* (a) and (b). A statement is placed on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-795/67].

श्री क० ना० तिबारी : यह जो स्टेटमेंट टेबल पर रखा गया है इसमें पैरा 1 में दिया गया है :

"Besides foreign exchange amounting to Rs. 43 lakhs was released to the State for import of four medium percussion rigs, one heavy direct rotary rig, three medium direct rotary rigs and five medium duty reverse circulation rigs."

तो मैं यह जानना चाहता हूँ कि कितने रिस्क के लिये फॉरेन एक्सचेंज रिचीज किया

क्या या क्या यह सभी रिज्ज या गये और इसकी कैपिटली पर डे बर्क करने की कितनी है ?

**Shri Annasahib Shinde:** In the initial stages the Bihar Government expected about 100 rigs and as a result of the efforts made both by the Bihar Government and the Centre about 125 rigs are in operation. Some spares etc. for them were imported from the United States and other countries. In addition to that there are hand operated rigs which the Bihar Government has managed to obtain.

श्री क० ना० तिवारी : क्या यह सही कि इसमें जितने रिज्ज प्राये हैं वह सभी काम में नहीं लिये जा रहे हैं, बेकार पड़े हैं और यह जी फिगर दी गई है, सवाल सूखा-बस्त एरिया के सम्बन्ध में है और फिगर में दिया गया है कि जितना टारगेट था उससे ज्यादा उसका फुलफिलमेंट हुआ है। इसमें दिया गया है परिशियन ड्रिल 1,000 रिवाइन्ड टारगेट 1,000 और प्रचीवमेंट 3971। तो मैं यह जानना चाहता हूँ कि जब वहाँ पानी ही नहीं है कुएँ में और इसीलिये सूखा-बस्त है तो यह परिशियन ड्रिल कहां से पानी बाते हैं और उनका टारगेट कैसे पूरा हो गया ? यह फिगर क्या करेक्ट फिगर है ?

**Shri Annasahib Shinde:** These are the figures which are furnished to us by the State Governments, and by and large, I think these figures are correct. Sometimes, even the shallow wells are useful for irrigation for one or two seasons. During the rabi season, in some of these wells water was available. In any particular case, there might be a failure here and there, but by and large, this minor irrigation programme in Bihar has gone on very well and really, we should be really proud of the fact that our people have responded so well in a difficult situation.

श्री कामेश्वर सिंह : क्या मंत्री यह बताने का कष्ट करेंगे कि उत्तर प्रदेश में सूखापस्त होने के कारण अब तक कितने

ट्यूबवेल बोर किये गये हैं और वहाँ पर कोई रिग मशीन ट्यूबवेल बोर करने के लिये भेजे जाने की उम्मीद है ? और पंजाब में जो पेटर्न है कैपिटली बोरिंग का, उत्तर बिहार में सब जगह कैपिटली बोरिंग के लिये कुछ जानकारी प्राप्त की है या नहीं ?

**Shri Annasahib Shinde:** I cannot give information about a particular district in Bihar. The State-wise figures are there. I have no particular figure for a particular district. I am sorry I am unable to say.

**Mr. Speaker:** He has no information. He is not able to give the detailed figures about a particular project.

श्री कामेश्वर सिंह : अध्यक्ष महोदय, सूखापस्त क्षेत्रों में सिंचाई के बारे में मैं जानना चाहता हूँ, चाखिर यह डिटेल्स न दे सकें परन्तु कविटी बोरिंग के बारे में कम से कम बतला सकते हैं, पंजाब में यह प्रचलित है और वहाँ जो ट्यूबवेल की बोरिंग होती है वह बड़ा महंगा पड़ता है, कैपिटली बोरिंग उसके मुकामिले बहुत सस्ता पड़ता है।

**Shri Annasahib Shinde:** That is being carried on, and we find by and large most of the wells are successful; the bores are successful and we are having water.

श्री कामेश्वर सिंह : अध्यक्ष महोदय, बिहार में कविटी बोरिंग के लिये कोई काम किया है या नहीं ? . . . (व्यवधान)

**Mr. Speaker:** I have called another hon. Member. He can have a discussion later on, if he wants.

श्री शिव पुजन काल्जी : क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि बिहार के भ्रमशा सब-डिवीजन में जो कि अकालपस्त क्षेत्र घोषित हुआ है वहाँ पर सिंचाई का क्या प्रबन्ध अभी किसहदल हुआ है और वहाँ पर चार वर्ष से कर्मचारी पांच और नूता खंड बांध के सिंचाई की कोषिकों

हो रही हैं, डा० राव साहब भी गये थे 63 में, अभी तक क्या हो रहा है ?

**Shri Annasahib Shinde:** Many of the details are given in the statement which I have laid on the Table of the Sabha. But broadly, I may mention that during 1966-67, an area of 2.8 lakh acres, most of which would be in the drought-affected areas, has been benefited as a result of these schemes.

**श्री जेपी शंकर शर्मा :** अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि बिहार में प्रकाल की सम्भावना का प्राभास तो अक्टूबर मास ही में लग गया था और हम लोगों ने केन्द्र को लिखा भी था कि घाने वाले समय में सिंचाई के लिये बुद्ध स्तर पर काम करना चाहिये ? अतएव मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूँ कि क्या कोई मिलिटरी का प्लंटन या कम्पनी या त्रिवेद इस काम के लिये बिहार में भेजे गये हैं ? यदि भेजे गये हैं तो उन्होंने कहां कहां और क्या क्या काम किया है ?

**Shri Annasahib Shinde:** Some rigs were obtained from the army and they are being operated there.

**श्री बि० ब० सिंह :** मैं जानना चाहता हूँ कि मूखामस्त क्षेत्रों में कितने टयूबवेल घने और कितने कच्चे कुएं खोदे गये ? उनमें कितना घन व्यय हुआ और कितनी जमीन उनसे इरीगेट हो सकी ?

**Shri Annasahib Shinde:** All these figures have been mentioned in the statement which has been laid on the Table of the House. All the details are there. Hon. Member can get a copy of the statement.

**श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :** कुछ समय पहले समाचार पत्रों में यह समाचार छपा था कि कुछ रिजर्व अमरीका से घाने वाले थे, मैं जानना चाहता हूँ कि उनकी व्यवस्था हो सकी है प्रथम नहीं ? यदि उनकी व्यवस्था हो सकी है तथा रिजर्व अमरीका से घाने हैं तो क्या उनको बिहार भेजा गया है ?

**Shri Annasahib Shinde:** Some spares were expected from USA and arrangements were made. Some were transported earlier and some later on. So far as the spares which were brought over later on are concerned, they were by way of addition and there was no difficulty in operating the rigs in Bihar on account of them.

**Shri R. Barua:** It appears from the papers that the UP Government is negotiating with the World Bank for help for irrigation in Etah District and adjoining areas. Is there any proposal for getting World Bank's help for the purpose of exploiting the sub-soil water in Bihar also?

**Shri Annasahib Shinde:** I want notice.

**श्री भोगेन्द्र झा :** कुछ साल पहले केन्द्रीय सरकार चाहती थी कि गण्डक और कोसी प्रोजेक्ट्स को राज्य सरकार केन्द्र के हवाले कर दे, लेकिन उस समय की बिहार सरकार ने इससे इन्कार कर दिया था। इससे 50 लाख ए०ड की सिंचाई होगी, इस प्रकाल के समय में भी मिट्टी का काम वहां पर चलता है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या यह सही है कि इस समय की बिहार सरकार ने इन्हे केन्द्र से लेने का प्राग्रह किया है तथा केन्द्र सरकार ने उसे लेने से इन्कार कर दिया है ? यदि यह सही है तो क्या इसकी बजह वहां की सरकार को इष्ट देना है, प्रथम कोई दूसरी बजह है ?

मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि रिजर्व के बारे में लिखित रूप में जो उत्तर दिया गया है, उस से यह साफ़ नहीं होता है कि बिहार को कितने रिजर्व केन्द्र की शेर से बिले गये हैं। यह कहा गया है कि कुछ दिये गये हैं, कुछ की गिनती में एक भी धाता है और एक से अधिक भी धाते हैं। 400 से ऊपर रिगों की मांग की गई है। मैं जानना चाहता हूँ कि कितने बिले गये हैं तथा कितनी शेर बिले की विधिति में है ?

**Shri Anasahib Shinde:** I have already said that the joint committee of the Central Government and Bihar Government expected about 100 rigs. Now actually 125 rigs are already there. So, the original targets have been more or less achieved.

**श्री योगेन्द्र झा :** अध्यक्ष महोदय, इनके लिखित बयान में है कि 380 की मांग की गई थी, लेकिन अब यह 125 की बात कह रहे हैं।

**Shri Anasahib Shinde:** Regarding the hon. member's question whether this particular project can be taken over by the Centre, this question should be addressed to the Ministry of Irrigation and Power.

**श्री प्रवर्ज करनेबीबः** अध्यक्ष महोदय, जो बयान मंत्री महोदय ने दिया है, इसके दूसरे पन्ने पर ऐसा लिखा है :—

"As a result of the various measures taken to accelerate the tempo of minor irrigation during 1966-67, the achievement was considerably higher than the original targets, as could be seen from the following tables.

इन टेबल में जिक्र किया गया है कि प्रोपन बेल्ट का ओरिजनल टारगेट 500 था, लेकिन 6,840 बने, यानी 13 गुना ज्यादा बोरिंग-इन-प्रोपन बेल्ट का टारगेट 1000 था, लेकिन 3754 पूरे किये गये, यानी साढ़े तीन गुना ज्यादा, इसी तरह परशियन ब्लोब का टारगेट से चार गुना ज्यादा, डीबल पम्प का 6 गुना ज्यादा, यानी तकरीबन सब में टारगेट से ज्यादा एबीवमेन्ट हुआ है, लेकिन, अध्यक्ष महोदय, इसी बयान के अगले पैराग्राफ से लिखा गया है :—

"It is expected that as a result of works taken up under the minor irrigation sector during 1966-67, an area of 2.8 lakh acres, most of which would be in the drought affected region, would be benefited against the original target of 2 lakh acres."

अब, अध्यक्ष महोदय, पहले टारगेट के अनुसार सरकार को 2 लाख एकड़ में पानी की व्यवस्था करनी थी, लेकिन 13 गुना ज्यादा क्यूं खोदने के बाद, चार गुना ज्यादा पम्प लगाने के बाद, हर काम में तीन गुना, चार गुना ज्यादा एबीवमेन्ट करने के बाद सिर्फ .8 लाख एकड़ जमीन को ज्यादा, पानी मिलेगा। मैं चाहता हूँ कि मंत्री महोदय इसका खुलासा दें कि इसमें कौनसा बयान झूठा है ?

**Shri Anasahib Shinde:** I can rely only on the information furnished by the State Government and I am giving those figures which I have obtained from the State Government. What acreage can be irrigated by individual wells depends upon the area in which the wells are located. So it is not simply a mathematical calculation which can work in these cases.

**Shri D. N. Tiwary:** On page 2 of the statement it is said:

"A crash programme was undertaken during the rabi season for quick construction of field channels in the command of major projects. . . ."

May I know, due to this step, how many acres of land were irrigated in the last rabi crop and what was the benefit that accrued to the cultivators?

**Shri Anasahib Shinde:** I have no information on this point.

**Mr. Speaker:** Next Question—**Shri Madhu Limaye.**

**श्री मधु लिमाये :** अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। यह सकाल एक घंटे से चल रहा है और इससे सम्बन्धित जो काबीला के मंत्री हैं, वे कभी इसका जवाब नहीं देते हैं। पहले जो दो सम्बन्धित मंत्री—श्री एस० के० पाटिल तथा श्री सुब्रह्मण्यम थे, उनका तो हमारे जार्ज करनेबीबः और हमारे इन्डिग्नुनेस कडगम के लोगों ने सफाया कर दिया, तीसरे जो बचे हैं—श्री जगजीव रज,

जो उस वक्त ट्रांसपोर्ट मंत्री थे, जब यह मामला आया था, और इस वक्त खाद्य मंत्री हैं। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या बजह है कि इस मवाल का जवाब काबीना के गृह मंत्री नहीं देते हैं। पिछली बार श्री गोविन्द मेनन ने जवाब दिया था और आज शिन्दे साहब जवाब दे रहे हैं, जिनकी इसके बारे में कोई व्यक्तिगत जानकारी नहीं है . . . .

**Mr. Speaker:** You want them to come; those who have been defeated in the elections?

**श्री मधु लिमये :** नहीं, अध्यक्ष महोदय। लेकिन पिछली बार जगजीवन राम जी ने स्वयं यह घोषणा किया था कि वे स्वयं इसकी ज़िम्मेदारी से जवाब देंगे, लेकिन जब जवाब देने का मौका आया है तो शिन्दे साहब जवाब दे रहे हैं। इनको इस सम्बन्धी बहुत सारी बातों की जानकारी नहीं है। एक घण्टे में यह मामला चल रहा है, हम गम्भीरता से मवाल उठाते हैं, लेकिन इस तरह का व्यवहार हमारे माथ सरकार की तरफ से चल रहा है।

**Shri S. M. Banerjee:** Sir, regarding this question, I fully support my hon. friend, Shri Madhu Limaye.

**Mr. Speaker:** He does not need your support.

**Shri S. M. Banerjee:** Sir, I support his contention because in this particular case two Cabinet Ministers were involved.

**Mr. Speaker:** Order, order. What is all this? It has nothing to do with that. They are defeated and gone.

**श्री मधु लिमये :** मैं उनकी नहीं कह रहा हूँ। मैं जगजीवन राम जी के बारे में कह रहा हूँ। जो हारा गया है, वे कैसे आयेगे।

**Mr. Speaker:** I have heard Shri Limaye. Shri Jagjivan Ram is not here. Does he want an answer to his question or not?

**श्री मधु लिमये :** उत्तर तो मैं चाहता हूँ, लेकिन बाद में आप उनसे कहिये कि इस तरह से नहीं करना चाहिये।

**Mr. Speaker:** Shri Jagjivan Ram is not here. If he were there we could have asked him to answer the question because he is the Minister of Food.

**श्री मधु लिमये :** मैं शिन्दे साहब के सर्वेधानिक अधिकार या कानूनी अधिकार पर नहीं बोल रहा हूँ, मैं तो यह कह रहा हूँ कि यह उचित होता कि खुद वे इसका जवाब देते।

**Mr. Speaker:** Shall I ask him to answer the question or not?

**श्री मधु लिमये :** जवाब तो चाहिये।

**श्री क० न० सिद्धारी :** अध्यक्ष महोदय, मंगल प्वाइन्ट ऑफ़ ऑर्डर है। यह सबको मालूम है कि इस मामले में कैसे चल रहा है, कांटे में कैसे चलने के कारण यह मामला गैर-जुडिसियल है, इसलिए इसका यहाँ पर नहीं लेना चाहिये।

**श्री मधु लिमये :** इसका उगने काई सम्बन्ध नहीं है, यह प्रश्न तो केवल जानकारी प्राप्त करने के लिये है।

**Mr. Speaker:** There is no point of order. The Question may be answered.

**Apeejay Shipping Co.**

4

- \*753. **Shri Madhu Limaye:**  
**Dr. Ram Manohar Lohia:**  
**Shri S. M. Joshi:**  
**Shri Sidheshwar Prasad:**  
**Shri Ram Kishan Gupta:**  
**Shri George Fernandes:**  
**Shri S. M. Banerjee:**

Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 24 on the 28th March, 1967 regarding Apeejay Shipping Co. and state:

(a) whether Government have since examined the matter relating to